भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1862

सोमवार, 19 दिसम्बर, 2022/28 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

नए होटल प्रबंधन संस्थानों की स्थापना

†1862. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः
श्री गजानन कीर्तिकरः
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः
श्री कुलदीप राय शर्माः
श्री सी.एन. अन्नादुरईः
श्री धनुष एम. कुमारः
डॉ. सुभाष रामराव भामरेः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में कार्यरत केन्द्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार देश में नए होटल प्रबंधन संस्थानों की स्थापना करने में असफल रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार राज्य सरकारों को भी अपने संबंधित राज्यों में राज्य होटल प्रबंधन संस्थान स्थापित करने के लिए सहायता प्रदान करती है;

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष और वर्तमान वर्ष के दौरान महाराष्ट्र में स्थापित किए गए ऐसे संस्थानों की संख्या कितनी है और उक्त प्रयोजन के लिए कितना वित्तीय आवंटन किया गया है;

(ङ) इन संस्थानों द्वारा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करते समय सामना की गई चुनौतियों का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या ये संस्थान देश में पर्यटन क्षेत्र के विकास में योगदान देने में सफल रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) क्या सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से आतिथ्य सत्कार संबंधी शिक्षा की शुरुआत करने के साथ नए होटल प्रबंधन संस्थानों की स्थापना करने का निर्णय लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : देश में इस समय 21 केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थान (सीआईएचएम) कार्य कर रहे हैं । विवरण अनुबंध-I में दिया गया है ।

(ख) : जी, नहीं महोदय । प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) : जी, हां महोदय ।

(घ) : पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष में महाराष्ट्र में मंत्रालय के सहयोग से किसी संस्थान की स्थापना नहीं की गई है ।

(ड.) : चुनौतियों का निपटान नियमित रूप से मामले के अनुसार किया जाता है ।

(च) : जी, हां महोदय । इन संस्थानों ने देश के पर्यटन क्षेत्र की वृद्धि में सफल योगदान दिया है और ये पर्यटन तथा आतिथ्य उद्योग हेतु कौशल प्राप्त श्रमशक्ति के सृजन में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं । पिछले पांच वर्षों के दौरान उत्तीर्ण प्रत्याशियों के प्लेसमेंट का एक विवरण अनुबंध-।। में दिया गया है ।

(छ) : नए होटल प्रबंधन संस्थान की स्थापना करना एक सतत प्रक्रिया है और राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन से प्रस्ताव प्राप्त होने पर मंत्रालय इस संबंध में आवश्यक निर्णय लेता है । मंत्रालय की स्थायी वित्त समिति की सिफारिश पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से आतिथ्य शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता चालू वित्तीय वर्ष से बंद कर दी गई है ।

*****

अनुबंध-I

नए होटल प्रबंधन संस्थानों की स्थापना के संबंध में दिनांक 19.12.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †1862 के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों (सीआईएचएम) की सूची

क्र. सं.	**संस्थान का नाम**	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन**
1.	सीआईएचएम, गुवाहाटी	असम
2.	सीआईएचएम, हाजीपुर	बिहार
3.	डॉ. अम्बेडकर आईएचएम (सीआईएचएम), चंडीगढ़	चंडीगढ़
4.	सीआईएचएम, पूसा	दिल्ली
5.	सीआईएचएम, गोवा	गोवा
6.	सीआईएचएम, गांधीनगर	गुजरात
7.	सीआईएचएम, कुफरी शिमला	हिमाचल प्रदेश
8.	सीआईएचएम, श्रीनगर	जम्मू और कश्मीर
9.	सीआईएचएम, बेंगलुरु	कर्नाटक
10.	सीआईएचएम, तिरुवनंतपुरम	केरल
11.	सीआईएचएम, ग्वालियर	मध्य प्रदेश
12.	सीआईएचएम, भोपाल	
13.	सीआईएचएम, मुंबई	महाराष्ट्र
14.	सीआईएचएम, शिलांग	मेघालय
15.	सीआईएचएम, भुबनेश्वर	ओडिशा
16.	सीआईएचएम, गुरदासपुर	पंजाब
17.	सीआईएचएम, जयपुर	राजस्थान
18.	सीआईएचएम, चेन्नई	तमिलनाडु
19.	सीआईएचएम, हैदराबाद	तेलंगाना
20.	सीआईएचएम, लखनऊ	उत्तर प्रदेश
21.	सीआईएचएम, कोलकाता	पश्चिम बंगाल

*****

अनुबंध-।।

नए होटल प्रबंधन संस्थानों की स्थापना के संबंध में दिनांक 19.12.2022 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †1862 के भाग (च) के उत्तर में **विवरण**

पिछले 5 वर्षों में उत्तीर्ण प्रत्याशियों का प्लेसमेंट

	2017-18			2018-19			2019-20			2020-21			2021-22		
पाठ्यक्रम	उत्तीर्ण	नौकरी मिली	प्रतिशत	उत्तीर्ण	नौकरी मिली	प्रतिशत	उत्तीर्ण	नौकरी मिली	प्रतिशत	उत्तीर्ण	नौकरी मिली	प्रतिशत	उत्तीर्ण	नौकरी मिली	प्रतिशत
डिग्री	5706	4706	82.47%	5878	5089	86.58%	7736	6613	85.48%	8135	3852	47.25%	7848	6671	85%
डिप्लोमा	3525	3314	94.01%	3677	3509	95.43%	4155	3947	94.99%	2410	1808	75.02%	1994	1795	90%
कुल	**9231**	**8020**	**86.88%**	**9555**	**8598**	**89.98%**	**11891**	**10560**	**88.81%**	**10545**	**5660**	**53.67%**	**9842**	**8466**	**87.50%**

नोट : कुछ उत्तीर्ण छात्र उच्चतर अध्ययन का विकल्प चुनते हैं ।

****